an>

Title: Need to make Pradhan Mantri MUDRA Yojana customer-friendly and also set up a monitoring system to review the progress of the Scheme.

श्री हरिश्चन्द्र चव्हाण (दिंडोरी) ः प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण की शुरुआत बेरोज़गार युवा वर्ग को लोन के माध्यम से नया रोज़गार शुरू करने के उद्देश्य से की गई है। इस योजना के अंतर्गत देश में कारोबार चलाने के लिए बिना सिक्योरिटी के 10 लाख रूपये तक ऋण दिये जाने का प्रावधान बनाया गया है। इससे उद्योग एवं व्यापार बढ़ने से बेरोज़गार लोगों को रोज़गार मिलेगा। यह स्कीम इस तरह से देश की बेरोज़गारी को दूर करने हेतु आरंभ की गई है। इन ऋणों को उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सरकारी बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों एवं सहकारी बैंकों की है। परन्तु खेद के साथ सदन को सूचित करना पड़ रहा है कि जब युवा वर्ग बैंकों में मुद्रा लोन स्कीम के तहत लोन लेने जाता है तो बैंक अधिकारी उनसे 40 प्रतिशत की सिक्योरिटी मांगते हैं। कई बैंक तो कहते हैं कि इस प्रकार के लोन की जानकारी उनको नहीं है। बैंक मकान पर लोन देने की बात करते हैं। यह सब बातें मेरे संसदीय क्षेत्र दिंडोरी, नासिक, महाराष्ट्र में हो रही है। इस तरह से देश की गंभीर समस्या बेरोज़गारी को दूर करने की प्रधानमंत्री की इस योजना को बैंक के अधिकारीगण प्राथमिकता नहीं दे रहे हैं। अतः सरकार से निवेदन है कि मुद्रा ऋण योजना से संबंधित शिकायतों के निवारण और किसी प्रकार की जानकारी के लिए एक हैल्पलाईन नम्बर दिया जाये। इस योजना के तहत जो अधिकारी या एजेंसी सही ढंग से नियमानुसार काम नहीं कर रही है उनके खिलाफ कार्यवाही की जाये। इसकी सफलता के लिए एक निगरानी तंत्र की आवश्यकता है। साथ ही ऐसी व्यवस्था की जाये कि मुद्रा ऋण योजना के तहत आवेदकों को उनके आवेदन पर वर्तमान स्थिति की जानकारी मिल सके।

सरकार से अनुरोध है कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए इस स्कीम के तहत किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की जाये और इसमें व्याप्त कमी को दूर करने हेतु प्रयास किये जाएं।